आकाशवाणी श्री विजयपुरम

21.01.2026 समय : 1905

1. अटल पेंशन योजना अब दो हजार तीस–इक्कतीस तक जारी रहेंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने लिया ये अहम फैसला।

2. भारतीय अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन सम्मेलन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने लोकतंत्र और चुनाव प्रणाली में सुधार पर बल दिया।

3. पराक्रम दिवस के अवसर पर भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण द्वारा आयोजित सुभाष संगीतान्जलि और भव्य ड्रोन प्रदर्शन राष्ट्रीय प्रदर्शनी समारोह में मुख्य आकर्षण होंगे।

4. कला एवं संस्कृति विभाग ने छात्रों को राष्ट्रीय स्मारक सेल्यूलर जेल भ्रमण के लिए और युवाओं में देशभक्ति की भावना जागृत करने के लिए शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू किए।

<><><><><><>

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने आज अटल पेंशन योजना को 2030–31 तक जारी रखने के साथ ही प्रचार और विकासात्मक गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता बढ़ाने को सहमति दे दी है। इस योजना के अंतर्गत अब तक आठ करोड़ छियासठ लाख से अधिक लाभार्थी पंजीकृत हो चुके हैं। आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल बैठक में यह निर्णय लिया गया। यह योजना मई 2015 में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को वृद्धावस्था में आय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। यह योजना 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद प्रति माह एक हजार से पांच हजार रुपये तक की न्यूनतम गारंटीकृत पेंशन प्रदान करती है, यह लाभार्थी के योगदान पर निर्भर करती है। सरकार ने लघु उद्योग विकास बैंक – एसआईडीबीआई को पांच हजार करोड़ रुपये की पूंजीगत सहायता राशि स्वीकृत की है। इससे, 25 लाख चौहत्तर हजार से अधिक सूक्ष्म और लघु उद्योगो से जुड़े लाभार्थियों को फायदा मिलने की आशा है।

<><><><><><>

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा है कि बूथ स्तरीय अधिकारी, देश में चुनाव आधारित लोकतांत्रिक व्यवस्था के स्तंभ हैं। नई दिल्ली में आज आयोजित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री कुमार ने भारत को लोकतंत्र की जननी बताया। प्रत्येक पात्र मतदाता को शामिल करते हुए निष्पक्ष मतदाता सूची बनाए रखना लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए जरूरी है क्योंकि इसके जरिए सभी चुनाव निष्पक्ष तरीके से होते हैं। श्री कुमार ने कहा कि पिछले कुछ दशकों में चुनाव प्रबंधन निकायों के संचालन में महत्वपूर्ण विकास हुआ है। तीन दिन का यह सम्मेलन लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन की दिशा में भारत द्वारा आयोजित सबसे बड़ा वैश्विक सम्मेलन है। विश्व के सत्तर से अधिक देशों के लगभग एक सौ प्रतिनिधि, इसमें भाग ले रहे हैं।

<><><><><><>

प्रधानमंत्री के सक्रिय शासन और समयबद्ध कार्यान्वयन के प्रमुख मंच–प्रगति ने अपनी 50वीं सफल बैठक के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे वर्ष 2015 में शुरू किया था।इसके बाद से प्रगति ने प्रधानमंत्री की सीधी समीक्षा के माध्यम से प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं और जन शिकायतों की वास्तविक समय में निगरानी तथा समाधान को सक्षम बनाकर, शासन व्यवस्था में परिवर्तन किया है। यह मंच सहकारी संघवाद का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।यह केंद्र सरकार, राज्यों और केंद्रीय मंत्रालयों को एक साथ एक ही डिजिटल मंच पर लाता है। प्रगति ने एक दशक से अधिक समय से, निर्णय लेने की प्रक्रिया को तेज करने, प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं में देरी के कारणों का समाधान करने और जवाबदेही की मजबूत संस्कृति को बढ़ावा देने में सहायता की है।

<><><><><><>

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि विश्व के देशों के लिए आतंकवाद से निपटने में साझा चुनौतियों पर सहयोग करना पहले से कहीं ज़्यादा आवश्यक है। डॉ. जयशंकर ने आज नई दिल्ली में स्पेन के विदेश मंत्री होस मैनवेल एल्बरेस ब्यूनो के साथ बैठक के बाद ये बात कहीं। उन्होंने कहा कि भारत और स्पेन दोनों ही आतंकवाद से पीडित हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि वैश्विक व्यवस्था में बदलाव आ रहा है और दुनिया को आतंकवाद के प्रति कतई बर्दाश्त न करने की नीति अपनानी चाहिए। राष्ट्र के लिए चुनौतियों को हासिल करना बेहद जरूरी है। भारत और स्पेन आतंकवाद से जूझ रहे हैं। हमें साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस और बढ़ती आर्थिक साझेदारी के आधार पर भारत–स्पेन के संबंधों को मजबूत करना होगा। डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारत, अगले महीने नई दिल्ली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इम्पैक्ट सम्मेलन 2026 की मेज़बानी करेगा। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और स्पेन ने वर्ष 2026 को संस्कृति, पर्यटन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दोहरे वर्ष के रूप में नामित किया है। भारत और यूरोप एआई के क्षेत्र में साझा दृष्टिकोण रखते हैं। एआई के प्रति हमारी सोच मानव केंद्रित और नैतिक उपयोग पर आधारित है। हमें विश्वास है कि यह वर्ष अधिक संस्थागत और उद्योग को प्रोत्साहित करेगा। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और स्पेन इस वर्ष राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे कर रहे हैं।

<><><><><><>

संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन और विरासत पर आधारित राष्ट्रीय प्रदर्शनी का आयोजन तेइस जनवरी से पच्चीस जनवरी को पराक्रम दिवस के अवसर पर किया जाएगा। इसके साथ ही नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वीप पर 23 जनवरी से 22 फ़रवरी तक एक माह की अवधि के लिए भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण नेताजी के जीवन पर कार्यक्रम का आयोजन करेगा। इस प्रदर्शनी के माध्यम से नेताजी के संघर्ष, विचारों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को जनसामान्य, विशेषकर युवाओं के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। पराक्रम दिवस समारोह का शुभारंभ 23 जनवरी को शाम 4 बजे राजधानी श्री विजयपुरम के नेताजी स्टेडियम में किया जाएगा। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत होंगे। कार्यक्रम में अंडमान–निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल एडमिरल डी. के. जोशी भी उपस्थिति रहेंगे। पराक्रम दिवस समारोह में "सुभाष संगीतान्जलि" संगीतमय कार्यक्रम में देश के प्रसिद्ध कलाकार संतूरवादक उस्ताद अमजद अली खां, गायक पेपॉन, प्रतिभा सिंह बघेल, रघु दिक्षित, अमान अली और आयान अली बंगश और मंगली अपने कार्यक्रम के माध्यम से नेताजी को संगीतमय श्रद्धांजलि देंगे। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस स्टेडियम में एक भव्य ड्रोन शो का आयोजन किया जाएगा।

<><><><><><>

स्वातंत्र्यवीर सावरकर द्वारा रचित कविता 'सागर प्राण तलमलाला' की 115वीं वर्षगांठ पर पिछले वर्ष 12 दिसंबर को श्री विजयपुरम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दिए गए मार्गदर्शन के अनुपालन में अंडमान–निकोबार प्रशासन ने बच्चों और युवाओं में स्वतंत्रता संग्राम तथा स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर के आदर्शों के प्रति जागरूक करने की पहल की है। कला एवं संस्कृति विभाग ने शैक्षणिक संस्थानों से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्मारक सेल्यूलर जेल के शैक्षणिक भ्रमण के लिए प्रोत्साहित किया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना विकसित करना और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान से परिचित कराना है। सेल्यूलर जेल का भ्रमण विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क रखा गया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में इक्यावन विद्यालयों के तीन हजार बयासी विद्यार्थियों की तुलना में वर्ष 2025 में एक सौ चवालीस विद्यालयों के नौ हजार तीन सौ पिचानबे विद्यार्थियों ने सेल्यूलर जेल का भ्रमण किया था।

<><><><><><>